भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1162

06 फरवरी, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष केंद्रों के लिए निधि

1162. श्री हरीश चंद्र मीना:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) प्रणालियों के अंतर्गत पिछले तीन वर्षों के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान, औषधि मानकीकरण, आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों की स्थापना और जन जागरूकता कार्यक्रमों के लिए स्वीकृत की गई और व्यय की गई निधि का ब्यौरा क्या है, और इन प्रयासों से प्राप्त ठोस परिणाम क्या हैं;

(ख) राजस्थान में आयुष अस्पतालों, औषधालयों, कॉलेजों, पंचकर्म केंद्रों और योग संस्थानों की वर्तमान स्थिति क्या है:

(ग) राज्य को प्राप्त केंद्रीय सहायता का ब्यौरा क्या है, साथ ही सरकार द्वारा मानव संसाधन और अवसंरचना की कमी को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं: और

(घ) टोंक-सवाई माधोपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में आयुष सुविधाओं के विस्तार, नए आयुष केंद्रों की स्थापना, चिकित्सकों और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और स्थानीय स्तर पर योग और आयुर्वेद का संवर्धन करने के लिए प्रस्तावित या कार्यान्वित विशेष योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस), केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच), केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन) और केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम) की स्थापना की है। ये संस्थान क्रमशः आयुर्वेद, सिद्ध, होम्योपैथी, योग और प्राकृतिक चिकित्सा तथा यूनानी में अनुसंधान के लिए आयुष मंत्रालय के तहत स्वायत्त संगठन हैं और देश के विभिन्न हिस्सों में उपलब्ध अपने परिधीय संस्थानों के माध्यम से विभिन्न अनुसंधान गतिविधियां संचालित कर रहे हैं और नैदानिक अनुसंधान, दवा अनुसंधान, औषधीय पादप अनुसंधान, मौलिक अनुसंधान, साहित्यिक अनुसंधान और प्रलेखन के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का विस्तार तथा आयुष पद्धति को बढ़ावा देते हुए संबंधित चिकित्सा पद्धतियों में वैज्ञानिक सत्यापन की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

आयुष मंत्रालय के तहत विभिन्न परिषदों के लिए विगत तीन वर्षों के बजट आवंटन और वास्तविक व्यय का विवरण **संलग्नक-I** में दिया गया है।

इसके अलावा, आयुष मंत्रालय राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना को कार्यान्वित कर रहा है और राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर एनएएम दिशानिर्देशों के प्रावधान के अनुसार विभिन्न गतिविधियों के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) पद्धतियों के तहत आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों की स्थापना और जन जागरूकता कार्यक्रमों सहित समग्र विकास और प्रचार के लिए उनके प्रयासों का समर्थन कर रहा है। एनएएम के अंतर्गत, पिछले तीन वर्षों 2022-23 से 2024-25 तक राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए केंद्रीय हिस्सेदारी के रूप में कुल अनुदान सहायता राशि 255136.036 लाख रुपये स्वीकृत की गई है और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा रिपोर्ट किए गए अनुसार 231651.556 लाख रुपये का उपयोग किया गया है। एनएएम के तहत, इन प्रयासों के माध्यम से पिछले तीन वर्षों की उपलब्धियां **संलग्नक-II** में दी गई हैं।

इसके अलावा, आयुष मंत्रालय एएसयू और एच दवाओं के लिए भेषजसतर्कता के साथ आयुष औषधी गुणवत्ता एवं उत्पादन संवर्धन योजना (एओजीयूएसवाई) नामक एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना (सीएसएस) के एक घटक का कार्यान्वयन कर रहा है। इस योजना के तहत पिछले तीन वर्षों में जागरूकता/संवेदीकरण कार्यक्रमों, आईईसी सामग्री तैयार करने और वितरण आदि के लिए 2.26 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए और 1.786 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, विभिन्न समूहों को आयुष चिकित्सीय दृष्टिकोणों के प्रति संवेदनशील बनाया गया है, आयुष दवाओं के तर्कसंगत और व्यवस्थित उपयोग के बारे में शिक्षित किया गया है, और देश भर के स्वास्थ्य पेशेवरों को संदिग्ध प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

इसके अतिरिक्त, आयुष मंत्रालय ने सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) योजना की सीएसएस के तहत 140.29 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है और पिछले तीन वर्षों में 126.31 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। आईईसी के क्षेत्रों में गतिविधियों ने स्वास्थ्य देखभाल की "आयुष" पद्धतियों के जनादेश को पूरा करने में आसान बनाया। आयुष पद्धतियों की प्रभावकारिता, उनकी लागत प्रभावशीलता और आयुष दवा सेवाओं की उपलब्धता और अन्य समाधानों के संबंध में नागरिकों के बीच जागरूकता लाना। इस उद्देश्य के लिए विभिन्न संचार चैनलों का उपयोग करना और सभी के लिए स्वास्थ्य के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए डिजिटल और ऑडियो-वीडियो प्रचार सामग्री सहित आईईसी सामग्री तैयार करना।
(ख) राजस्थान में आयुष अस्पतालों, औषधालयों, महाविद्यालयों, पंचकर्म केंद्रों और योग संस्थानों की वर्तमान स्थिति **संलग्नक-III** में दी गई है।

(ग) राजस्थान राज्य सरकार से प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार पिछले तीन वर्षों में 22243.678 रुपये की निधियां जारी की गई है। इन निधियों ने अवसंरचना (भवन, फर्नीचर, उपकरण) के उन्नयन की सुविधा प्रदान की। इसके अलावा, कर्मचारियों (योग प्रशिक्षकों, सीएचओ, आशा, एएनएम और कंपाउंडरों) को अतिरिक्त मानदेय का भुगतान करके पूरक चिकित्सा सेवाएं प्राप्त की गईं। राज्य सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में 1,958 आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों में 1,958 पुरुष और 1,958 महिला योग प्रशिक्षक उपलब्ध कराए गए हैं।

(घ) जन स्वास्थ्य राज्य का विषय होने के कारण, आयुष सुविधाओं के विस्तार, नए आयुष केंद्रों की स्थापना, डॉक्टरों और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और स्थानीय स्तर पर योग और आयुर्वेद को बढ़ावा देने की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार के कार्यक्षेत्र में आती है। हालाँकि, राज्य एसएएपी के माध्यम से उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करके वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकता है। जैसा कि राज्य सरकार द्वारा विगत तीन वर्षों में सूचना दी गई है, सवाई माधोपुर में 46 और टोंक में 52

औषधालयों को आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (आयुष) के रूप में विकसित किया गया था। इन केंद्रों पर, पुरुष और महिला योग प्रशिक्षकों को अतिरिक्त मानव संसाधनों के रूप में उपलब्ध कराया गया था, और आवश्यक फर्नीचर तथा उपकरण प्रदान किए गए थे। इसके अलावा, सवाई माधोपुर में सरकारी जिला आयुर्वेद अस्पताल को 50 बिस्तरों वाले अस्पताल में उन्नयन किया गया है, जिसके लिए ₹5 करोड़ की लागत से भवन निर्माण का काम चल रहा है। इसके अलावा, इस अवधि के दौरान विभाग ने टोंक और सवाई माधोपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 1379.69 लाख रुपये की दवाओं की आपूर्ति की है।

*****

संलग्नक-I

विगत तीन वर्षों के लिए आयुष मंत्रालय के तहत विभिन्न परिषदों के लिए बजट आवंटन और वास्तविक व्यय

क्रम सं.	**योजना/कार्यक्रम**	**बजट अनुमान (बीई)**	**वास्तविक व्यय (एई)**
1	केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद	**1151.54**	**1219.01**
2	केंद्रीय यूनानी अनुसंधान परिषद	**577.15**	**537.57**
3	केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद	**432.70**	**445.95**
4	केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद	**289.26**	**127.44**
5	केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद	**148.61**	**153.73**
	कुल योग	**2599.26**	**2483.70**

संलग्नक-II

वर्ष 2022-23 से 2024-25 तक एनएएम के तहत सहायता प्राप्त प्रमुख गतिविधियां/उपलब्धियां

(i) एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना के लिए 103 इकाइयों को सहायता प्रदान की गई।

(ii) अवसंरचना और अन्य सुविधाओं के उन्नयन के लिए 220 आयुष अस्पतालों और 2269 आयुष औषधालयों को सहायता प्रदान की गई है।

(iii) 1783 पीएचसी, 675 सीएचसी और 288 डीएच को प्रत्येक वर्ष औसतन दवाओं की आवर्ती सहायता और आकस्मिकता के लिए सह-स्थापन के तहत समर्थन दिया गया है।

(iv) 2048 आयुष अस्पतालों और 12814 आयुष औषधालयों को प्रत्येक वर्ष औसतन आवश्यक आयुष दवाओं की आपूर्ति के लिए सहायता दी गई है।

(v) नए आयुष शैक्षिक संस्थानों की स्थापना के लिए 13 इकाइयों को सहायता प्रदान की गई।

(vi) 14 स्नातक और 10 स्नातकोत्तर आयुष शैक्षणिक संस्थानों को अवसंरचना, पुस्तकालय और अन्य सामग्रियों के उन्नयन के लिए सहायता प्रदान की गई है।

(vii) 384 नए आयुष औषधालय की स्थापना।

(viii) 775 आयुष ग्रामों को सहायता प्रदान की गई है।

(ix) आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों को सहायता प्रदान की गई है।

संलग्नक- III

राजस्थान में आयुष अस्पतालों, औषधालयों, महाविद्यालयों, पंचकर्म केंद्रों और योग संस्थानों की स्थिति

क्रम सं.	केंद्र	इकाईयों की संख्या
1	एकीकृत आयुष अस्पताल	6
2	जिला अस्पताल	57
3	ब्लॉक आयुष अस्पताल	86
4	अस्पताल	106
5	औषधालय	4032
6	महाविद्यालय	कुल मिलाकर 15 सरकारी महाविद्यालय वर्तमान में कार्यरत हैं, जिनमें 06 आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय, 02 होम्योपैथी महाविद्यालय, आयुर्वेद विश्वविद्यालय के 05 संबंद्ध महाविद्यालय और 02 बी.एससी. नर्सिंग महाविद्यालय शामिल हैं।
7	पंचकर्म केंद्र	82
8	योग और कल्याण केंद्र	33